Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J–7909

PAPER – III

VISUAL ARTS

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**

VISUAL ARTS

दृश्य कलाएँ

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Study of Indian art began with the colonial interventions in 19th century British India. Some British officers were really interested to dig-out the past whereas some were more interested to see how Indian tradition was influenced by the western art tradition. Indian scholars also began to work with Britishers. Many monuments, archaelogical sites, inscriptions, coins were discovered. Their effort was loaded with romantic motion of past. It is not that some of these monuments were not known, they were in worship and some were known in public memory. However their existance remained at a local level with exotic ideas and ghost stories.

When archaelogical excavations began, many monuments were unearthened. It made a new beginning in understanning of the ancient art. Many sculptures were discovered and systematic documentation began. The colonial scholar's perception was governed by the renaissance traditions and therefore they always viewed the Indian art from the western academic realism. To resist such comparison and assert autonomy of Indian art tradition, some Indian scholars invented the notion of 'spirituality ' as political and cultural self defence against the colonial scholarship. Though such formulations helped the Indian Scholars to establish the discoveries on Indian art centered around the notion of spirituality, but it also harmed the understanding and subsequent studies on Indian art. Simultaneously, 'homogeinity' of tradition was used as cardinal idea to propound greatness of cultural tradition with the idea of 'golden-age.'

The 20th century witnessed the 'revival ' of ancient and medieval art tradition in the contemporary art practices. With the rise of modernistic ideas, students in art-schools could not understand the ancient and medieval art tradition. Notion of spirituality also forbid the arts students to understand the role of artist, social position of artisans and work methods. Furthermore the notion of 'golden-age' was seen as a 'mere-category' of high expression. The most decisive impact was that the art-works produced after 6th century AD were deemed as having less elegancy. Though art-students were engaged in understanding and Practicing western modernism in the pictorial language, their understanding of Indian tradition was not guided by their tools of practices but by the Sanskritic textual tradition.

Such one-sided understanding harmed in sensitising the art-students in understanding practical problems involved in making art-works in ancient and medieval art practices. Therefore there is general apathy among the art-students for ancient and medieval art traditions which further compounded their ideas of understanding the issues involed in modernity.

भारतीय कला का अध्ययन ब्रिटिश शासन के दौरान औपनिवेशिक हस्तक्षेप से उन्नीसवीं सताब्दी में प्रारम्भ हुआ। भूतकाल को उद्घाटित करने में कुछ ब्रिटिश अधिकारियों की वास्तविक रुचि थी, जबकि कुछ अधिकारियों की रूचि यह पता लगाने में थी कि भारतीय परम्परा किस प्रकार से पाश्चात्य परम्परा से प्रभावित थी। भारतीय विद्वानों ने भी ब्रिटिश विद्वानों के साथ कार्य करना प्रारम्भ किया। अनेक पुरावशेषों, पुरातत्वीय, स्थलों, शिलालेखों, सिक्कों की खोज की गई। उनका प्रयास रोमांटिक धारणाओं से परिपूरित था। ऐसा नहीं था कि इनमें से कुछ पुरावशेष अज्ञात थे, कुछ का प्रयोग पूजा-पाठ में हो रहा था और कुछ जन-स्मृति में संचित थे। तथापि उनका अस्तित्व मोहक विचारों तथा भूत-कथाओं के रूप में स्थानीय स्तर पर था।

जब पुरातत्त्वीय उत्खनन शुरू किए गये तब अनेक पुरावशेष प्रकाश में आये। प्राचीन कला को समझने की दिशा में यह एक नई शुरूआत थी। अनेक मूर्त्तियों की खोज हुई तथा सुव्यवस्थित प्रलेखन-कार्य प्रारम्भ हुआ। औपनिवेशिक विद्वानों का प्रत्यक्ष ज्ञान पुनर्जागरण परम्परा से नियंत्रित था, इसलिए उन्होंने सदैव ही भारतीय कला को पाश्चात्य शास्त्रीय यथार्थवाद की दृष्टि से देखा। इस प्रकार की तुलना का प्रतिरोध करने तथा भारतीय कला परम्परा की स्वायत्तता पर बल देने के लिए कुछ भारतीय विद्वानों ने, औपनिवेशिक विद्वत्ता के विरुद्ध राजनीतिक एवं सांस्कृतिक आत्म-रक्षा के रूप में 'आध्यात्मिकता' की धारणा का आविष्कार किया। यद्यपि इस प्रकार के प्रतिपादनो से आध्यात्मिकता की धारणा के इर्द-गिर्द केन्द्रित भारतीय कला के अन्वेषणों को स्थापित करने में भारतीय विद्वानों को सहायता मिली, परन्तु इससे भारतीय कला की समझ तथा इस पर किए गए अनुवर्ती अध्ययनो को नुकसान भी पहुँचा। साथ-ही-साथ, स्वर्णिम युग की भावना से सांस्कृतिक परम्परा की महानता को प्रतिपादित करने के लिए परम्परा की समरूपता का उपयोग आधारभूत विचार के रूप में किया गया।

समसामयिक कला-वृत्ति में प्राचीन तथा मध्यकालीन कला परम्परा के पुनरुत्थान की बीसवीं शताब्दी साक्षी है। आधुनिकतावादी विचारों के उदय के साथ कला विद्यालयों के छात्र प्राचीन एवं मध्यकालीन परम्परा को समझ नहीं सके हैं। कलाकारों की भूमिका, शिल्पकारों की सामाजिक स्थिति तथा कार्यविधियों को समझने में आध्यात्मिकता की धारणा भी कला के छात्रों को रोकती है। इसके अतिरिक्त 'स्वर्णिम युग' की धारणा को उच्च अभिव्यक्ति का एक संवर्ग-मात्र के रूप में देखा गया। सर्वाधिक निर्णायक प्रभाव यह था कि ईसा पश्चात् छठवीं शताब्दी के बाद तैयार की गई कला-कृतियों को कम सुरुचिसम्पन्न माना गया। यद्यपि कला के छात्र चित्रात्मक भाषा में पाश्चात्य आधुनिकतावाद को समझने में लगे रहे, भारतीय परम्परा की उनकी समझ उनके शिक्षा प्रयोग से नहीं बल्कि संस्कृत भाषा की पाठ्यपरक परम्परा से निर्देशित थी।

प्राचीन एवं मध्यकालीन कला पद्धति में कला-कृतियों को बनाने की दिशा में कला के छात्रो को सुग्रहित बनाने में इस प्रकार की एकपक्षीय समझ से ठेस पहुँची है। इसलिए, कला के छात्रों में प्राचीन एवं मध्यकालीन कला परम्पराओं के प्रति एक सामान्य उदासीनता लक्षित होती है तथा जिससे आधुनिकता में सन्निहित मुद्दों को समझने के उनके विचारों को और भी धक्का पहुँचा है।

1. What are different views on understanding of Indian art.

भारतीय कला की समझ से संबंधित विभिन्न विचार क्या है?

2. Why and what problem art students face in understanding ancient and medieval art traditions of India.

भारत की प्राचीन एवं मध्यकालीन कला परम्पराओं को समझने में कला छात्रों का सामना किन समस्याओं से होता है और क्यों ?

3. Explain studies on Indian Art in British India.

ब्रिटिश शासन कालीन भारतीय कला पर अध्ययनों की व्याख्या कीजिए।

4. What problems art-students are interested to study-ancient art and how it helps them in their practices.

प्राचीन कला के अध्ययन के लिए कला-छात्र किन समस्याओं में अभिरुचि रखते हैं तथा इससे उन्हें उनके प्रयोग अध्ययन में किस प्रकार सहायता मिलती है ?

5. Express your comments on complexities in issues of modernity and that of ancient art practices.

आधुनिकता तथा प्राचीन कला वृत्ति से जुड़े मुद्दों की जटिलताओं पर अपनी टिप्पणी लिखिए।

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. What is Terracotta ? Write the process of making a terracotta sculptures.
पक्व मृत्तिका क्या है ? पक्व मृत्तिका मूर्ति बनाने की प्रक्रिया के बारे में लिखिए।

7. Write on the works of Chintamani Kar, with special emphasis on his Terracotta sculptures.

चिन्तामणि कार की मृण्मूर्त्तियों पर बल देते हुए उनकी कृतियों के बारे में लिखिए।

8. Discuss the features of Mathura sculptures.

मथुरा-शिल्प की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

9. Describe the importance of Vishnudharmottara purana for the Indian art.
भारतीय कला के लिए विष्णुधर्मोत्तर पुराण के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

10. What is conceptual art ? Explain.
संकल्पनात्मकला क्या है ? व्याख्या कीजिए।

11. What is folk painting ? Explain with examples.
लोक चित्रकला क्या है ? उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

12. Why should the visualiser and copywriter work together as a team ?
विजुअलाइजर तथा कॉपीराइटर को क्यों एक दल के रूप में एक साथ काम करना चाहिए।

13. Explain what is meant by "all emphasis is no emphasis".

''सभी चीजों पर समान महत्त्व कोई महत्त्व नहीं होता''– इसका क्या अर्थ है? व्याख्या कीजिए।

14. Write main advantages of digital printing.

डिजिटल प्रिंटिंग के मुख्य लाभ क्या हैं?

15. Describe the process of intaglio printing.
इंटॉग्लिओ प्रिन्टींग के प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

16. Explain the difference between dry print and metal engraving process.
ड्राई प्रिन्ट और मेटल इन्ग्रेविंग के प्रक्रिया का फर्क स्पष्ट कीजिए।

17. Differentiate the print-making technique of Laxma Goud and Krishna Reddy.
लक्ष्मा गौड और क्रिष्णा रेड्डी के छापा-चित्रण तकनिक का अंतर स्पष्ट कीजिए।

18. Explain role of content analysis in art-historical studies.
कला-इतिहास अध्ययन में अंतर्विषय विश्लेषण की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

19. Explain role of gender studies in art-history.
कला–इतिहास में लिंग अध्ययन के भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

20. Write about the role of archive in art-history.
कला–इतिहास में अभिलेखा के भूमिका के बारे में लिखिए।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the elective / specialisations. The candidate has to choose ***only one*** elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को ***केवल एक*** ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I
विकल्प – I

(DRAWING AND PAINTING)
(ड्रॉईंग और पेंटिंग)

21. Mention the features of the Bengal School of paintings.
चित्रकला की बंगाल-शैली की विशिष्टताओं का उल्लेख कीजिए।

22. Comment on the works of Raja Ravi Varma.
राजा रवि वर्मा की कृतियों पर टिप्पणी लिखें।

23. Discuss the influence of religion in the paintings of ancient times.
प्राचीन काल की पेण्टिंग्स पर धर्म के प्रभाव का विवेचन कीजिए।

24. Write an essay on "Artist Village" at Chola Mandala.
चोला मण्डाला स्थित 'कलाकार ग्राम' पर एक निबंध लिखिए।

25. Explain Pop Art ? Which are the important places of Pop Art.
पॉप कला की व्याख्या कीजिए। पॉप कला के महत्त्वपूर्ण स्थान कौन से हैं?

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

ART HISTORY

कला-इतिहास

21. Write an essay on Aparajita - Priccha or Samarangana - Sutradhara.
अपराजित-पृच्छा अथवा समरांगण-सुत्रधार के ऊपर निबंध लिखिए।

22. Write on the 'colonial art-history' in India.
भारत के 'औपनिवेशिक कला-इतिहास' के बारे में लिखिए।

23. Explain importance of Formalistic studies in writing history of art.
कला-इतिहास के लेखन में रूपवादी अध्ययन के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

24. Critically evaluate the theories of visual perception in art-historical studies.
कला-इतिहास के अध्ययन में दृश्य-प्रत्यक्ष ज्ञानबोध के सिद्धान्त को समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

25. Write a critical note on the writings of Geeta Kapur.
गीता कपुर के लेखन के उपर आलोचनात्मक टिप्पणी कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

SCULPTURE

शिल्प कला

21. "The Saranath Buddha images are probably one of the greatest achievement of Indian Sculptures" State your opinion with justification.
'सारनाथ की बुद्ध प्रतिमाएँ सम्भवत: भारतीय मूर्त्तिकारों की महानतम उपलब्धियों में से एक है।' औचित्य प्रतिपादन के साथ अपनी राय बतलाइये।

22. Make an assessment of Somenath Hore's sculptures with suitable examples.
उपयुक्त उदाहरणों के साथ सोमनाथ होर की शिल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

23. With the help of diagram give details of the metal casting process, both indegeneous and Italian.

घातु ढलाई, देशी तथा इटालियन दोनों, की प्रक्रिया का विवरण रेखाचित्र की सहायता से दीजिए।

24. What is environmental sculpture? What are the essential elements to be considered ? Discuss with examples.

पर्यावरणी शिल्पकला क्या है। किन अनिवार्य तत्त्वों को ध्यान में रखना चाहिए। सोदाहरण विवेचन कीजिए।

25. Explain why Rodin's works are so different ? Explain in historical reference.

व्याख्या कीजिए कि रोदीन की कृतियाँ इतनी भिन्न क्यों हैं? ऐतिहासिक संदर्भ में व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

PRINT MAKING

छापा-चित्रण

21. Write the use of print-making in the French realist movement.

फ्रान्सीसी यथार्थवादी आंदोलन में छापा-चित्रों के उपयोग के बारे में लिखिए।

22. Trace the importent land-marks in the post-independent history of print-making in India.

स्वातंत्रोत्तर भारत के छापा-कला के इतिहास प्रमुख युगांतकारी का ब्योरा प्रस्तुत कीजिए।

23. Evaluate the state of print-making in contemporary India.

समकालिन भारत में छापा-कला के स्थिती का मुल्यांकन कीजिए।

24. Write any two female print-makers of India.

भारत के किसी भी दो स्त्री छापा-कलाकारों के बारे में लिखिए।

25. How do you bring the effect of light and shade in various medium of print-making ?

छापा-कला के अलग अलग माध्यामों में छाया-प्रकाश के प्रभाव का संयोजन किस तरह करते है?

OR / अथवा

Elective - V
विकल्प – V

APPLIED ART
उपयोजित कला

21. Describe some of the reasons for applying marketing research techniques to advertising.
विज्ञापन में विपणन शोध तकनीकों का प्रयोग करने के कुछ कारणों का वर्णन कीजिए।

22. What is the purpose of corporate identify ? Explain.
कार्पोरेट आइडेन्टिटी का उद्देश्य क्या है? व्याख्या कीजिए।

23. Discuss the differences between Public-relation and advertising.
जन-सम्पर्क तथा विज्ञापनकला के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

24. Name and explain the eight laws of design.
डिजाइन के आठ नियमों के नाम बतलाइये तथा उनकी व्याख्या कीजिए।

25. What is Typography ? Define and discuss different catagories of fonts with examples.
मुद्रण-कला क्या है? फॉण्ट्स की विभिन्न कोटियों को परिभाषित तथा विवेचित कीजिए।

SECTION - IV

खण्ड–IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. (a) What is an "Advertising Campaign?" How is an "appeal" important in establishing a brand image.

विज्ञापन अभियान क्या है? किसी ब्राण्ड छवि को सुस्थापित करने के लिए एक 'अपील' किस प्रकार से महत्त्वपूर्ण है?

OR/अथवा

(b) What is Cubism? Trace the origin and the development of cubism

घनवाद क्या है। घनवाद की उत्पत्ति एवं विकास का ब्योरा प्रस्तुत कीजिए।

OR/अथवा

(c) Choose two sculptors known for stone carving, explain their works giving details of the material used.

प्रस्तर–उत्कीर्णन के लिए प्रख्यात किन्ही दो मूर्त्तिकारों का उल्लेख कीजिए तथा प्रयुक्त सामग्री का विवरण देते हुए उनकी कृतियों की व्याख्या कीजिए।

OR/अथवा

(d) Critically evaluate the development of print-making in India as a subject of Visual Arts.

दृश्य–कला के एक विषय के रूप में भारत में छापा–कला के प्रगति का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

OR/अथवा

(e) Write on post-modernist art-historical writing

उत्तर–आधुनिकता कला–इतिहास लिखाण के बारे में लिखिए।

OR/अथवा

Explain critically the role of 'post-modernist' theories in interpretation of Visual Culture.

दृष्य–काल के व्याख्यान में उत्तर–आधुनिकता सिद्धान्त की आलोचनात्मक भूमिका की व्याख्या कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....